मध्य प्रदेश (राज्य सेवा) मुख्य परीक्षा–2018

मॉडल पेपर-1

अनुक्रमांक/Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।
Candidate Should write his/her Roll No. here.

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4
No. of Printed Pages : 4

कुल प्रश्नों की संख्या : **10**
Total No. of Questions : 10

M–2018–V

सामान्य हिन्दी

GENERAL HINDI

पाँचवा प्रश्न-पत्र

Fifth Paper

समय: 3 घंटे | **पूर्णांक: 200**

Time: 3 Hours | **Total Marks: 200**

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश:

Instructions to the Candidates:

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल दस प्रश्न हैं।
   This Question Paper consists of ten questions.
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
   All questions are compulsory.
3. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।
   Marks for each question have been indicated on the right hand margin.
4. प्रश्न क्रमांक 1 में कोई विकल्प नहीं है। शेष प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिये गए हैं।
   There is no internal choice in Question No. 1, remaining questions carry internal choice.
5. जहाँ शब्द-सीमा दी गई है, उसका पालन करें।
   Wherever word limit has been given, it must be adhered to.
6. प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें। एक प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से क्रमानुसार लिखें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखें।
   Question should be answered exactly in the order in which they appear in the question paper. Answer to the various parts of the same question should be written together compulsorily and no answer of the other question should be inserted between them.

निर्देश: सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

1. इन लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 50 शब्दों में (एक या दो पंक्तियों में) दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 3 (तीन) अंकों का हैं। **20 × 3 = 60**

(i) भाषा शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के किस शब्द से हुई तथा उसका क्या अर्थ है?

(ii) भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में वर्णित किन्हीं पाँच भाषाओं के नाम लिखिये।

(iii) 'राजभाषा' से आप क्या समझते हैं?

(iv) उपसर्ग को परिभाषित कीजिये।

(v) 'मुखिया' एवं 'लखेरा' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय लिखिये।

(vi) पल्लवन को परिभाषित कीजिये।

(vii) 'लक्ष्य भाषा' से आप क्या समझते हैं?

(viii) पश्चिमी हिन्दी में सम्मिलित किन्हीं तीन बोलियों के नाम लिखिये।

(ix) व्यक्तिवाचक संज्ञा को परिभाषित कीजिये।

(x) विशेषण के प्रमुख भेद (प्रकार) बताइये।

(xi) 'गुण संधि' को परिभाषित कीजिये।

(xii) 'तत्पुरुष समास' का अर्थ स्पष्ट कीजिये।

(xiii) 'उज्ज्वल', निरावृत एवं समूल शब्द के विलोम शब्द लिखिये।

(xiv) महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित किन्हीं तीन रचनाओं के नाम लिखिये।

(xv) शासकीय पत्र की किन्हीं दो विशेषताओं को लिखिये।

(xvi) हिन्दी का प्रथम वक्रोक्ति कथात्मक महाकाव्य कौन-सा है?

(xvii) 'अपनी धरती अपने लोग' नामक रचना (कृति) किसकी है?

(xviii) "सिवद्रोही मम दास कहावा। सो नर मोहि सपनेहुँ नहिं भावा।" किस कवि की पंक्ति है?

(xix) 'कृतज्ञ' एवं 'कृतघ्न' का क्या अर्थ है?

(xx) कवियित्री, पूज्ज्वनीय एवं उज्जवल का शुद्ध रूप लिखिये।

2. निम्नलिखित गद्यावतरण का हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिये। **20**

आधुनिक समाज की संस्थाएँ, जिनमें सरकारें, बड़ी आर्थिक संरचनाएँ तथा सैन्य बल शामिल हैं, नौकरशाही संरचना के आधार पर संगठित हैं। कोई भी नौकरशाही संरचना संगठन का ही एक प्रकार है, जो प्रभावशाली ढंग से विशिष्ट प्रकार के कार्य करने में सक्षम व सटीक पर्यवेक्षण करने वाले विभिन्न प्रकार के विभागों द्वारा संचालित किया जाता है। श्रम विभाजन अथवा विशेषीकरण सुपरिभाषित नियमों और विनियमों के आधार पर होता है। इसलिये नौकरशाही संरचना में कार्य करने वाले कर्मचारी (जैसे कि नौकरशाह) विभागीकृत वातावरण में कार्य करने के कारण किसी समय विशेष में किये जा रहे कार्य तक ही सीमित हो जाते हैं। ऐसी नियंत्रणकारी परिस्थितियों के चलते किसी कर्मचारी द्वारा किये जा रहे कार्य अथवा उस कार्य को विनियमित करने वाले नियमों की अकसर अनदेखी होती है।

अथवा

ग्रामवासी पूर्णत: कृषि पर आश्रित होते हैं और उसका स्वरूप भी अब पहले जैसा नहीं रहा। भूमि विकास, परती भूमि का कृषीकरण और भू-संरक्षण जैसी नई विधियों के विस्तार ने संभावनाओं को भी विस्तार दे दिया है। साथ ही आगम की आपूर्ति, नए उर्वरकों और पौध संरक्षण के उपायों, ऋण सुविधाओं, भंडारीकरण, विपणन और प्रशिक्षण जैसे नए आयाम निर्धन, अज्ञानी तथा रूढ़िवादी किसानों के लिये अत्यधिक विस्मयकारी हैं, जिनसे सामंजस्य बैठा पाना उनके लिये बहुत कठिन है।

पानी की अनुपलब्धता ने समस्या को और जटिल बनाने का काम किया है, पानी न केवल दुर्लभ वस्तु बन गया है बल्कि यह बहुत से विवादों का जनक भी बन गया है, जबकि देखा जाए तो पानी जीवन के लिये अत्यावश्यक है और इसकी कम उपलब्धता ने बहुत सी समस्याओं को जन्म दिया है। यदि हमें अपने गाँवों का विकास करना है तो सिंचाई, जल संसाधन विकास, जल संरक्षण इत्यादि को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

3. निम्नलिखित अंग्रेज़ी गद्यावतरण का हिन्दी में अनुवाद कीजिये: 15

The issue of poverty keeps rearing its inconvenient head in India. The Planning Commission tends to keep on shifting the poverty line, but it is always at a ludicrously low level, which underestimates the numbers actually living in poverty. But playing fast and loose with India's poverty line has almost become a trendy pastime. The truth is that poverty is an embarrassment. It is an embarrassment to many of India's rich and to a good number of politicians, who like to portray the country as an emerging superpower, with its space programme, sophisticated weaponry, sports towns, growth figures, Formula 1 race track and gleaming malls.

अथवा

India's geo-climatic conditions as well as its high degree of socio-economic vulnerability, makes it one of the most disaster prone country in the world. A disaster is an extreme disruption of the functioning of a society that causes widespread human, material, or environmental losses that exceed the ability of the affected society to cope with its own resources. Disasters are sometimes classified according to whether they are 'natural' disasters or 'human-made' disasters. For example, disaster caused by floods, droughts, tidal waves and earth tremors are generally considered 'natural disasters'. Disasters caused by chemical or industrial accidents, environmental pollution, transport accidents and political unrest are classified as 'human-made' or 'human induced' disasters since they are the direct result of human action.

4. निम्नलिखित गद्यांश का एक-तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिये तथा रेखांकित पंक्तियों का भाव-पल्लवन अपने शब्दों में कीजिये। 10 + 5 = 15

आधुनिक मानव समाज में एक ओर विज्ञान को भी चकित कर देने वाली उपलब्धियों से निरंतर सभ्यता का विकास हो रहा है तो दूसरी ओर मानव मूल्यों का ह्रास होने से समस्या उत्तरोत्तर गूढ़ होती जा रही है। अनेक सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का शिकार आज का मनुष्य, विवेक और ईमानदारी को त्यागकर, भौतिक स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयत्न कर रहा है। वह सफलता पाने की लालसा में उचित और अनुचित की चिंता नहीं करता। उसे तो बस साध्य पाने की प्रबल इच्छा रहती है। ऐश्वर्य की प्राप्ति के लिये भयंकर अपराध करने में भी संकोच नहीं करता। वह इनके नित नए-नए रूपों की खोज करने में अपनी बुद्धि का अपव्यय कर रहा है। आज हमारे सामने यह प्रमुख समस्या है कि इस अपराध-वृत्ति पर किस प्रकार रोक लगाई जाए। सदाचार, कर्त्तव्य-परायणता, त्याग आदि नैतिक मूल्यों की तिलांजलि देकर समाज के सुख की कामना करना स्वप्न मात्र है।

अथवा

संसार के श्रेष्ठ मनीषियों ने घोषणा की है कि मनुष्य एक है और इसीलिये मूल मानव धर्म भी एक ही है। यह इस युग की आवश्यकता नहीं है, किंतु युग का अनुभूत सत्य है। पहले भी दीर्घ दृष्टि वाले मनीषियों ने इस बात को अपने-अपने ढंग से कहा था, परंतु आज यह सत्य अधिक व्यापक होकर अनुभूत हुआ है। इसलिये विभिन्न राष्ट्रीय इकाइयों में पाई जाने वाली संस्कृतियों में और धार्मिक संप्रदायों के विश्वासों में समन्वय करने की चर्चा चल पड़ी है। परंतु समन्वय का अर्थ क्या है? कुछ लोग धर्मों के नाम पर चलने वाले सभी ऊपरी आचरणों को एक साथ जोड़ देने को समन्वय कहने लगे हैं। मुझे समन्वय की यह नीति ठीक नहीं जँचती। समन्वय में धर्मों के उन मूल तत्त्वों पर ध्यान रखना आवश्यक है, जिनको केंद्र करके इन बाह्य आचारों ने रूप ग्रहण किया है।

5. अधिसूचना से क्या तात्पर्य है? इसका एक प्रारूप प्रस्तुत कीजिये। 15

अथवा

शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्रों में अंतर स्पष्ट करते हुए अर्द्धशासकीय पत्र का एक प्रारूप प्रस्तुत कीजिये।

6. निम्नलिखित अंग्रेज़ी शब्दों में से किन्हीं पाँच के हिन्दी पारिभाषिक रूप लिखिये: 15

(i) Adjournment (ii) Deliberation
(iii) Convocation (iv) Sensational
(v) Surveillance (vi) Temperament
(vii) Exhibition (viii) Phenomenon
(ix) Tribunal (x) Imprisonment

अथवा

निम्नलिखित हिन्दी शब्दों में से किन्हीं पाँच के अंग्रेज़ी पारिभाषिक शब्द लिखिये:

(i) अभिविन्यास (ii) परिक्रमण
(iii) मुआवज़ा (iv) तदर्थ समिति
(v) प्रत्यारोपण (vi) दोषारोपण
(vii) वाक्यांश (viii) अभिकल्पक
(ix) औद्योगिक अधिकरण (x) उत्तरदायी

7. निम्नलिखित मुहावरों/कहावतों में से किन्हीं पाँच का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिये: **5 × 3 = 15**

(i) अंजर-पंजर ढीला होना
(ii) अंडे सेवे कोई, बच्चा लेवे कोई
(iii) ईंट से ईंट बजाना
(iv) जमीन पर पैर न पड़ना
(v) उँगली पकड़ते ही पहुँचा पकड़ना
(vi) साँप-छछूँदर की गति होना
(vii) कान पर जूँ न रेंगना
(viii) काठ की हाँड़ी बार-बार नहीं चढ़ती
(ix) बालू में से तेल निकालना
(x) जहाँ जाए भूखा, वहाँ पड़े सूखा

8. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच के उत्तर लिखिये: **5 × 3 = 15**

(i) जजमान का तत्सम शब्द लिखिये।
(ii) पुस्तिका का तद्भव शब्द लिखिये।
(iii) 'कड़ाई' और 'कढ़ाई' का अर्थ स्पष्ट कीजिये।
(iv) ऐश्वर्य शब्द के तीन पर्यायवाची शब्द लिखिये।
(v) पुरुष+अर्थ की संधि कीजिये।
(vi) त्रिलोक में कौन-सा समास है?
(vii) 'विस्मयबोधक' का चिह्न अंकित कीजिये।
(viii) अधुनातन का विलोम शब्द लिखिये।
(ix) गवीश का संधि-विच्छेद कीजिये।
(x) अकस्मात् का समानार्थी शब्द लिखिये।

9. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिये: **5 × 3 = 15**

पाठकों की बहुसंख्या या तो क्षणिक मनोरंजन के लिये पढ़ती है या फिर उस विश्रांति के लिये जो पुस्तक उन्हें प्रदान करती है। दूसरे शब्दों में वे सामान्यत: वक्तकटी के लिये पुस्तक पढ़ते हैं। समय, जैसा कि अकसर आँका जाता है, एक विरल बेशकीमती खज़ाना है। इस बेशकीमती खज़ाने को पाठकगण व्यर्थ ही गँवा देते हैं। यह अविश्वसनीय सा लगता है कि समय या वक्त पाठकों पर बहुत भारीपन से लदा होता है और फिर वे खोज पाते हैं कि समय के उस अतिरिक्त बोझ से छुटकारा, जिसकी उन्हें ज़रूरत है, किताबें ही दिला सकती हैं। इतना तो पर्याप्त स्पष्ट है कि वे किसी दूसरे प्रयोजन के लिये नहीं पढ़ सकते। अगर वे ऐसा करें तो पढ़ने से उन्हें अपने लिये कुछ हासिल हो सकता है, किंतु ऐसे कोई संकेत नहीं हैं कि पढ़ने का कोई अन्य प्रयोजन हो। पढ़ने से उन पर कुछ प्रभाव ज़रूर पड़ता होंगा, परंतु उस प्रभाव के बारे में वे अनजान हैं। प्रभाव लाभप्रद हो सकता है– यह निष्कर्ष हम नहीं निकाल सकते। इसका प्रमाण यही है कि पढ़ने के कारण वे अपने साथ कोई ऐसी चीज नहीं ले जाते कि बाद में कह सकें कि उन्होंने अमुक चीज़ पढ़ी है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिये।
(ii) लेखक ऐसा क्यों महसूस करता है कि पाठकगण अपने समय की कीमत नहीं आँकते?
(iii) लोगों द्वारा पुस्तकें पढ़ने के कारणों के बारे में लेखक क्या कहता है, ज़्यादातर लोग किताबें क्यों पढ़ते हैं?
(iv) पढ़ना समाप्त करने के उपरांत लेखक की क्या अपेक्षा है, पाठकगण क्या करें?
(v) असजग पढ़ने के प्रति लेखक का प्रतिकूल दृष्टिकोण क्यों है?

अथवा

हर युग में संत-महात्माओं का आगमन होता आया है। वे जिस किसी भी देश या धर्म के हों, लेकिन उन सबका संदेश एक ही रहा है कि 'भगवान को पहचानो और जन्म-मरण के आवागमन के चक्र से मुक्ति पा लो।' नए धर्म की स्थापना करना तथा अलग-अलग संप्रदायों और फिरकों को बनाना इनके संदेशों का कतई लक्ष्य नहीं रहा है। इस तरह के विभिन्न संप्रदायों और फिरकों से तो भावातिरेक में प्रकोप का ही प्रजनन होता है, जिससे अनिवार्यत: संघर्ष और झगड़े होने लगते हैं, जबकि संसार में प्रेम और सद्भाव को बढ़ाना ही संत-महात्माओं के उपदेशों का सार होता है। जब हम एक बार उनके उदात्त संदेश का स्तर घटाकर, उस महानुभाव के अनुभवों की सच्चाई को किसी संप्रदाय या फिरके का जामा पहनाना शुरू कर देते हैं और ऐसा करके फूट और नफरत के बीज बोने लगते हैं तो हम यह सब अपने स्वार्थ के लिये करते हैं और राष्ट्रीय गौरव या देश के या सनातन धर्म के सम्मान के साथ इसे जोड़कर अपने कर्म को न्यायसंगत सिद्ध करना चाहते हैं। इसके अलावा यदि उपदेशों की खोज, अध्ययन और छँटाई करेंगे तथा उपदेशों में निहित अध्यात्म-तत्त्वों को निष्पक्ष बुद्धि से परखेंगे तो पता चलता है कि सभी संत-महात्मा या सद्गुरु एक ही संदेश को भगवान के घर से लाते हैं।

(i) उपरोक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिये।
(ii) शांत और निष्पक्ष भाव से जब हम उनके उपदेशों का अध्ययन करते हैं तो हमें क्या पता चलता है?
(iii) उनके उपदेशों की सच्चाई/सार हमें क्यों विस्मृत करती है?
(iv) सभी संतों एवं सद्गुरुओं का क्या संदेश रहा है?
(v) नए धर्मों और संप्रदायों की स्थापना उनका लक्ष्य क्यों नहीं रहा है?

10. वर्ष 2017 में वैश्विक स्तर पर संपन्न हुए किसी शिखर सम्मेलन का प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिये। **15**

अथवा

विश्व मंच पर हिन्दी के सफल प्रयोग की संभावनाएँ बढ़ गई है। इस कथन की पुष्टि कीजिये।